जनाब मतलब में बड़ा वजन होता है, मतलब निकल जाने पर रिश्तों का वजन हल्का हो जाता है।

तेवर वही, अंदाज नया ......!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 35 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 28-05-2024 से 03-06-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

कप-प्लेट धोते और चाय परोसते हुए बड़ा हुआ, चुनावी रैली में क्या बोले पीएम मोदी

मिर्जापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह कप-प्लेट धोते और चाय परोसते हुए बड़े हुए हैं। पीएम ने कहा कि मोदी और चाय का रिश्ता बहुत गहरा है। उन्होंने कहा, मैं बचपन में कप और प्लेट धोते हुए बड़ा हुआ हूं। मैं चाय परोसते हुए बड़ा हुआ हूं। मोदी और चाय के बीच का रिश्ता भी बहुत गहरा है। दरअसल, अपना दल-एस का चुनाव चिन्ह कप-प्लेट है। इस तरह पीएम मोदी ने अपने भाषण में कप-प्लेट का जिक्र करके एनडीए के सहयोगी दल के लिए समर्थन मांगा। मालूम हो कि रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट से अपना दल-एस की प्रत्याशी रिंकी कोल हैं।

पीएम मोदी ने रैली में जुटे लोगों से कहा, 'आज भाषण नहीं आपसे बातें करुंगा। आप-हम जब घर बनाते हैं और घर बनाते समय काम करने वाले को रखते हैं तो क्या कोई सामान्य आदमी भी मिस्त्री रखते समय ऐसा करता है कि एक माह यह मिस्त्री काम करेगा, दूसरे माह दूसरा, तीसरे महीने तीसरा और चौथे माह चौथा मिस्त्री आएगा।' प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या वह घर बनेगा, क्या वह घर रहने और किसी को दिखाने लायक बनेगा। उन्होंने कहा कि छोटा-सा भी घर बनाना होता है तो बार-बार मिस्त्री नहीं बदलते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन कह रहा है कि 5 साल में पांच-पांच प्रधानमंत्री। बताइए, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री कोई रखता है क्या, कोई मिस्त्री भी नहीं रखता।

नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया को सांप्रदायिक और जातिवादी बताया। उन्होंने दावा किया कि उसने मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदलने का फैसला कर लिया है। मोदी आज मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के घटक अपना दल की उम्मीदवार व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और राबर्ट्सगंज की उम्मीदवार रिंकी कोल के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी-कांग्रेस वोट बैंक के लिए समर्पित है जबकि मोदी पिछड़ों व गरीबों के अधिकारों के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने इंडिया गठबंधन के लोगों को पहचान लिया है। ये लोग कट्टर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं। जब भी उनकी सरकार बनेगी, वे इस आधार पर फैसला लेंगे।

अधर्म को बढ़ावा देने वालों को सबक सिखाना होगा-डॉ. मोहन यादव

वाराणसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश की वाराणसी लोकसभा के सीर गोवर्धनपुर रोहनिया में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की हमेशा से सनातन संस्कृति का विरोध करने की मानसिकता रही है। कांग्रेस और उनके नेता और घमंडिया गठबंधन हमारे देवी-देवताओं के पूजने पर भी आपत्ति उठाते हैं। कांग्रेस ने हमेशा से भारतीय संस्कृति का अपमान करके अपनी मानसिकता जग जाहिर की है।

प्रधानमंत्री ने सनातन संस्कृति को शिक्षा में जोड़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई, जिसके माध्यम से पूरे देश में शिक्षा के पाठ्यक्रमों में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के साथ सनातन संस्कृति की शिक्षा को जोड़ा गया है। इससे पहले अंग्रेजों के जमाने में शिक्षा नीति के तहत इन सब पाठ्यक्रमों को हटा दिया गया था। आजादी के बाद कांग्रेस के पास सनातन संस्कृति की शिक्षा को फिर से जोड़ने का अवसर था, लेकिन कांग्रेस ने भी सनातन संस्कृति के विरोध की मानसिकता का परिचय दिया। कांग्रेस के कारण ही देश के नागरिकों ने दशकों तक पाठ्यक्रमों में श्रीराम और श्रीकृष्ण के साथ सनातन संस्कृति की शिक्षा प्राप्त नहीं की। कांग्रेस ने सनातन संस्कृति का हमेशा अपमान किया। बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के नागरिकों का अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने मोदी जी को यहां से सांसद बनाकर भेजा और मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना के प्रयास प्रारंभ किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अहंकारी रावण के घमंड का नाश किया था। वे चाहते तो अयोध्या से भी सेना बुला सकते थे, लेकिन उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों को अपने साथ लेकर यह महाविजय प्राप्त की। वर्तमान का समय भी इससे अलग नहीं है। अधर्म को बढ़ावा देने वाले विपक्षी दलों को सबक सिखाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना का जो यज्ञ लगातार चल रहा है, उसे हम सभी को मिलकर जारी रखना है।

अब ताजमहल नहीं, गीता की प्रति दी जाती है भेंट

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब विदेश से आने वाले मेहमानों को हम ताजमहल की प्रतिकृति उपहार में दिया करते थे, लेकिन ताजमहल से हमारी सनातन संस्कृति का कोई लेना-देना नहीं है। आज पूरा देश गौरवान्वित महसूस करता है कि भारत अपने अतिथियों को श्रीमद भागवत गीता की प्रति भेंट करता है। भगवान श्री कृष्ण ने सदैव मोर पंख धारण किया, जिससे हमें संदेश मिलता है कि हमें अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहना चाहिए। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारका धाम में समुद्र की गहराइयों में जाकर भगवान श्री कृष्ण की नगरी में मोर पंख अर्पित किया। एक समय था जब द्वारका धाम तक जाना संभव नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पुल का निर्माण कर वहां पहुंचना सुगम कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कांग्रेस ने ऐसे महापाप किए हैं जिसकी उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए। कांग्रेस ने हमारे आराध्य श्रीराम और श्रीकृष्ण की शिक्षा से हमारी कई पीढियां को वंचित किया। कांग्रेस ने भगवान श्रीराम को 70 वर्षों तक खुले आसमान के नीचे बैठाकर रखा।

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से हिंदू मुसलमान के बीच में गहरी खाई पैदा की और कभी भी अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण नहीं होने दिया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर निर्माण की राह खुली और सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में फैसला सुनाया।

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तन का खतरा

यह जगजाहिर है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से वैश्विक ताप बढ़ रहा है। हर वर्ष तापमान में कुछ और बढ़ोतरी दर्ज होने लगी है। गर्मी का मौसम लंबा होने लगा है। सर्दी में भी गर्मी का असर दिखता है। दुनिया के बहुत सारे इलाके जो पहले बर्फ से ढंके रहते थे, लू के थपेड़े सहने को मजबूर हो चुके हैं। लू की वजह से लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। इसलिए हर वर्ष जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए आयोजित होने वाली बैठक में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संकल्प लिए जाते हैं। मगर हकीकत यह है कि इस दिशा में कोई उल्लेखनीय नतीजा दर्ज नहीं हो पा रहा है। चिंता जताई जा रही है कि अगर तापमान में बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सेल्सियस से पार गया, तो दुनिया के सामने विनाश का भयावह मंजर नजर आने लगेगा। मगर इस संकल्प पर दृढ़ता से आगे बढ़ने की अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती।

अमीर देश कार्बन उत्सर्जन में कटौती की जिम्मेदारियां गरीब और विकासशील देशों के कंधों पर डाल कर इस समस्या से निजात पाने का सपना देख रहे हैं। छिपी बात नहीं है कि कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार वे देश हैं, जो औद्योगिक उत्पादन अधिक करते हैं, जहां जैव ईंधन का इस्तेमाल ज्यादा होता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि जैव ईंधन के उपयोग में कटौती और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाएं। मगर ऐसा हो नहीं पा रहा। इसमें आम नागरिकों का भी योगदान अपेक्षित है। खासकर भारत जैसे विकसित हो रहे देश में, जहां गाड़ियों और औद्योगिक इकाइयों का तेजी से विस्तार हो रहा है। घरों, दफ्तरों, निजी और सार्वजनिक वाहनों या फिर गोदामों आदि को जिस तरह वातानुकूलित बनाने पर जोर दिया जा रहा है, वैसी स्थिति में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना चुनौती बनता गया है। ऊपर से बुनियादी ढांचे के विकास पर अधिक जोर होने की वजह से जंगलों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, पृथ्वी की सतह का बड़ा हिस्सा कंक्रीट से ढंकता गया है।

ऐसे में कार्बन और गर्मी को अवशोषित करने के नैसर्गिक माध्यम सिकुड़ते गए हैं। लोग वातानुकूलित वातावरण में रहने के अभ्यस्त होते गए हैं, इसलिए तापमान सामान्य से थोड़ा भी बढ़ जाए तो उन्हें सहन नहीं हो पाता। मगर लोग इस समस्या से पार पाने में निजी तौर पर कोई योगदान करते नजर नहीं आते। सलाह दी जाने लगी है कि जीवन-शैली में अगर पारंपरिक तौर-तरीके अपना लिए जाएं, तो वैश्विक ताप बढ़ने से काफी हद तक रोका जा सकता है। सरकारों का जोर चूंकि अर्थव्यवस्था के विकास पर है, इसलिए वे औद्योगिक उत्पाद और बाजार के विस्तार पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं।

मौसम की मार बढ़ने के पीछे अनेक वजहें हैं। भवन निर्माण से लेकर खानपान के संसाधनों तक में अब पारंपरिक शैली को त्याग दिया गया है। स्थानीय संसाधनों की जगह आयातित वस्तुओं का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिनका मौसम से तालमेल नहीं बढ़ पाता। बिना सोचे-समझे वातानुकूलन और जरूरत के मुकाबले बेलगाम वाहनों और गैस संचालित कार्यों के बढ़ते प्रचलन से गर्मी का प्रकोप और बढ़ रहा है। इससे भवनों के भीतर का वातावरण तो जरूर ठंडा हो जाता है या कुछ सुविधाएं मिल जाती हैं, पर वातानुकूलन संयंत्रों से निकलने वाली गर्मी बाहर के वातावरण का तापमान काफी बढ़ा देती है। जलवायु में उथल-पुथल की जो हालत होती जा रही है, उसमें अब इस बात की जरूरत है कि विकास और पर्यावरण के बीच एक संतुलन कायम किया जाए।

राजनीति में उदासीनता लोकतंत्र के लिए खतरा-जेपी नड्डा

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लक्सा स्थित मारवाड़ी भवन में काशी के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक की।

बैठक को संबोधित करते जेपी

नड्डा ने कहा कि जब राजनीति में लोकमत उदासीन हो जाए, तो वो प्रजातंत्र के लिए खतरा बन जाता है। लेकिन 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने साधारण नागरिक में एक विश्वास पैदा किया। आज इस विश्वास के कारण ही हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यहां आपने दो पार्टियों की सरकार देखी है, जिन्होंने सबका मत लिया और बाद में एक जाति का बनके रह गईं। 10 साल पहले देश का नागरिक राजनीति के प्रति उदासीन हो चुका था,उसका विश्वास टूट चुका था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और अखिलेश यादव ने कहा कि भारत तो अनपढ़ है, यहां डिजिटल क्या करोगे, लेकिन मोदी भारत का सामर्थ्य जानते थे। आज यहां सब्जी बेचने वाला भी डिजिटल ट्रांजैक्शन कर रहा है। दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन आज भारत में होता है। गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, युवा, महिला मोदी के नेतृत्व में सबका सशक्तिकरण हुआ है।

जेपी नड्डा ने कहा कि आज 2 लाख पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया है। आज 2 लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। ये बदलते भारत के बदलते गांव है। आज दवाई मैन्युफैक्चरिंग में भारत दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे सस्ती और असरदार दवाएं भारत बना रहा है।

126 प्रतिशत एक्सपोर्ट बढ़ गया है। लंबे समय तक भारतीय राजनीति का अर्थ था, फूट डालो राज करो और सबके नाम पर वोट मांगों और सरकार बन जाए, तो किसी जाति के बन जाओ। उत्तर प्रदेश इसका प्रमाण है।

मोदी के रहते आरक्षण कोई समाप्त नहीं कर सकता-अमित शाह

बलिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी व अखिलेश यादव आरक्षण के नाम पर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं भरोसा दिलाता हूँ कि जब तक नरेन्द्र मोदी हैं, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। हम इस देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं आने देंगे। मुस्लिम आरक्षण संविधान के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कर्नाटक और हैदराबाद में जो किया है, बंगाल में भी वही किया था, लेकिन वहां हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए ये मुस्लिम आरक्षण की बात करते हैं। जिसका सीधा खामियाजा पिछड़े वर्ग को उठाना पड़ता है। गृहमंत्री लालमणि ऋषि इंटर कॉलेज मैदान, हल्दीरामपुर, बेल्थरा रोड, बलिया में सलेमपुर लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी रवीन्द्र कुशवाहा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है, पीओके मत मांगिए। अरे राहुल बाबा आपकी पार्टी एटम बम से डरती होगी, हम भाजपा वाले नहीं डरते। पीओके भारत का था, है और हम इसे लेकर रहेंगे। अमित शाह ने कहा कि

यह घमंडिया गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है। उसके दलों के अध्यक्षों का लक्ष्य अपने बेटे-बेटी और भतीजों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना है। मोदी ने आतंकवाद व नक्सलवाद से देश को मुक्त कराने का काम किया है। भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाले दो शहजादे राहुल बाबा और अखिलेश यादव हैं। वहीं दूसरी ओर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद जिनपर 25 पैसे का भी आरोप नहीं है, ऐसे हमारे नेता नरेन्द्र मोदी हैं।

गृहमंत्री ने कहा कि आप सब जानते हैं कि 85 हजार करोड़ का सहारा का घपला किसके समय में हुआ था। अखिलेश बाबू, आपकी पार्टी सहारा के फंड से चलती थी, सहारा की लूट आपने चलने दी। नरेन्द्र मोदी ने तो रिफंड देने की शुरुआत की है। अमित शाह ने कहा कि छठा व सातवां चरण मोदी को 400 पार करायेगा। भाजपा 400 पार करने वाली है और कांग्रेस 40 के अंदर सिमटने वाली है। 4 जून को राहुल बाबा प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम के कारण भाजपा जीती है। राहुल बाबा, हार का ठीकरा मशीनों पर मत फोड़िये, अपनी नीतियां देखिए, जिनके कारण जनता आपको नहीं चुनती।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर,बलिया सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त, विद्यावती गौतम और संजय यादव उपस्थित रहे।

चारधाम में अब तक 57 तीर्थयात्रियों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने चारधाम तीर्थयात्रियों को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य को लेकर एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। चारधाम यात्रा में इस वर्ष अब तक 17 दिन में 57 यात्रियों की मृत्यु हो चुकी है। इनमें 28 लोग ऐसे हैं, जिनकी केदारनाथ यात्रा मार्ग पर जान गई। इनमें से अधिकतर की आयु 50 साल से अधिक है। राज्य आपदा परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। केदारनाथ यात्रा में आज एक तीर्थयात्रियों की मौत हुई। इसी के साथ मौत की संख्या 28 पहुंच गई। बदरीनाथ में 14, यमुनोत्री में 12 और गंगोत्री में तीन यात्रियों की मौत हुई है। तीर्थयात्रियों की मौत के साथ यह आंकड़ा 57 पहुंच गया है। स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों को हेल्थ एडवाइजरी जारी कर उसी के आधार पर लोगों को चारधाम यात्रा में भेजने का अनुरोध किया है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि केदारनाथ और यमुनोत्री धाम में पैदल चढ़ते समय एक से दो घंटे के बाद कुछ समय विश्राम जरूरी है। इसके बाद दोबारा यात्रा के लिए आगे बढ़ें। इस दौरान सीने में दर्द, सांस की तकलीफ, चक्कर और उल्टी आने पर नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या मेडिकल रिलीफ सेंटर में प्राथमिक उपचार लें।

मुजरा से लेकर विरासत कर तक, लोकसभा चुनाव में विवादित बयानों की लगी झड़ी

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 7 चरणों में मतदान की प्रक्रिया जारी है। 1 जून को अंतिम चरण का मतदान होना है। इससे पहले, टॉप के कई नेता सार्वजनिक रैलियों के दौरान विवादास्पद टिप्पणियां कर चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक शामिल हैं। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों दलों के नेता चुनाव आयोग से इसकी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इस तरह के बयानों का सिलसिला अभी भी जारी है। हम आपको यहां पर 5 सबसे ज्यादा विवादास्पद बयानों का जिक्र कर रह हैं।

पीएम मोदी का मुजरा वाला बयान

पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर शनिवार को तीखा हमला किया था। उन्होंने उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए गुलामी और मुजरा करने का आरोप लगाया। उन्होंने अल्पसंख्यक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित करने के लिए राजद और कांग्रेस जैसे दलों को जिम्मेदार ठहराया। मोदी ने कहा, 'बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है। मैं इस प्रदेश की भूमि पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की इंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा। वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं। मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन उन लोगों के समर्थन पर भरोसा कर रहा है जो ''वोट जिहाद'' में लिप्त हैं। साथ ही उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कई मुस्लिम समूहों को ओबीसी की सूची में शामिल करने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले को रद्द कर दिया गया है।

2 तरह के सैनिक वाली टिप्पणी

कन्हैया कुमार के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में राहुल गांधी ने सैनिकों को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को खत्म कर दिया जाएगा, क्योंकि यह सेना के खिलाफ है। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने 2 तरह के सैनिक पैदा कर दिए हैं। उनका कहना था, 'अग्निपथ योजना को हम कूड़ेदान में फेंकने वाले हैं, क्योंकि यह सेना के खिलाफ है, देशभक्ति के खिलाफ है। एक सैनिक को शहीद का दर्जा मिलेगा, पेंशन मिलेगी, लेकिन अग्निवीर को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न ही पेंशन मिलेगी और न ही सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।' उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का इंजन बंद कर दिया, लेकिन जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो गरीबों व युवाओं को आर्थिक मदद देकर इस इंजन को फिर से चालू किया जाएगा।

सैम पित्रोदा का विरासत कर वाला बयान

इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने संपत्ति वितरण को लेकर विवादति बयान दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा था, अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह वाकई एक दिलचस्प कानून है। इस बयान पर पलटवार करते हुए पीएम मोदी कहा था कि आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। कांग्रेस का पंजा वो भी आपसे लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है- कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप दिखाई दे रही है। कांग्रेस की नजर आपके मकान, दुकान और खेत पर है जो आपकी संपत्ति पर नजर जमाए हुए है और लूटना चाहते हैं।

भगवान जगन्नाथ को लेकर संबित पात्रा ने क्या कह दिया

भगवान जगन्नाथ पर जुबान फिसलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पुरी लोकसभा सीट से प्रत्याशी संबित पात्रा विवादों में घिर गए थे। पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के प्रतिष्ठित देवता भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भक्त हैं। पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया था कि यह सिर्फ जुबान फिसलने के कारण हुआ और वह यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री भगवान जगन्नाथ के परम भक्त हैं। पात्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'इस गलती के लिए मैं भगवान जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाकर क्षमा मांगता हूं। मैं इस गलती का प्रायश्चित करने के लिए अगले तीन दिन उपवास करूंगा।' पात्रा की टिप्पणी पर विवाद तब बढ़ गया जब ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटायक ने उनके बयान की कड़ी निंदा की और भाजपा से भगवान जगन्नाथ को राजनीति में न घसीटने की अपील की। पटनायक ने एक्स पर एक पोस्ट में ओडिया अस्मिता को ठेस पहुंचाने के लिए पात्रा की आलोचना की।

भाजपा नेता नवनीत राणा का ओवैसी भाइयों पर तीखा हमला

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन पर बीजेपी लीडर नवनीत राणा ने तीखा हमला बोला था।

उन्होंने कहा कि अगर 15 सेकंड के लिए पुलिस को ड्यूटी से हटा दें तो दोनों भाइयों को पता नहीं चलेगा कि वे कहां से आए और कहां गए। राणा का बयान एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के 2013 में दिए गए उस विवादित भाषण के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पुलिस को हटा दिया जाए तो देश में हिंदू-मुस्लिम अनुपात को बराबर लाने में उन्हें केवल 15 मिनट लगेंगे। महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार राणा ने कहा, 'छोटा (अकबरुद्दीन) बोलता है कि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटाओ तो दिखाएंगे कि हम क्या कर सकते हैं। मेरा कहना है तुम 15 मिनट लगाओगे पर हमको 15 सेकंड लगेंगे।

अगर 15 सेकंड पुलिस को हटाया तो छोटे और बड़े को यह पता नहीं लगेगा कहां से आए और कहां गए।'

घट्टिया में टायर फैक्ट्री में लगी आग

उज्जैन। उज्जैन जिले के घट्टिया-तुलाहेड़ा मार्ग पर खारचा टीबूखेड़ा के पास टायर रिमोल्ड करने की फैक्ट्री में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लिया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी कि धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। क्षेत्र के एसडीएम राजाराम करजारे ने बताया कि घट्टिया के शब्बीर हुसैन की अल्ट्रा यूनाइटेड एलएलपी में सोमवार को बायलर में काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक आग लगी और करीब 10 टन टायर और मशीन जल गई।

फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। इस अग्नि हादसे में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। इधर, घटना के बाद ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कहा कि कई बार तहसील और एसडीएम कार्यालय में फैक्ट्री से धुआं निकलने से प्रदूषण के कारण बीमारियां व फसलों को नुकसान होने की शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर नारेबाजी कर विरोध जताया है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री की प्रदूषण विभाग की अनुमति नहीं थी, लेकिन फिर भी संचालित की जा रही है। मौके पर तहसीलदार प्रकाश परिहार, थाना प्रभारी राधेश्याम चौहान सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

लोकसभा चुनावों में 1643 दागी उम्मीदवार मैदान में

साल 2024 के आम चुनावों में कुल 8,360 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने 8,337 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण कर बताया है कि इनमें 1,643 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। संस्था के मुताबिक 20 फीसदी उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

चुनावी हलफनामे में लगभग 14 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ बलात्कार, हत्या, हत्या की कोशिश और महिलाओं के खिलाफ अपराध समेत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है।

एडीआर ने राष्ट्रीय पार्टियों समेत क्षेत्रीय पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा दायर हलफनामों का विश्लेषण किया। एडीआर ने पाया कि इनमें से 1,333 उम्मीदवार राष्ट्रीय पार्टियों से, 532 राज्य स्तरीय पार्टियों से, 2,580 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों से और 3,915 उम्मीदवार निर्दलीय रूप से चुनावों लड़ रहे हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले

1,191 (14 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। वहीं 98 प्रत्याशियों ने अपने ऊपर दोषसिद्ध मामले घोषित किए हैं।

विश्लेषण में पाया गया है कि कम से कम 197 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले दर्ज हैं। इनमें से 16 उम्मीदवारों पर बलात्कार (आईपीसी की धारा-376) और एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करने (आईपीसी की धारा-376-2) से जुड़े मामले दर्ज हैं।

एडीआर की रिपोर्ट कहती है कि पार्टियों के मामले में बीजेपी के 440 उम्मीदवारों में से 191 (43 प्रतिशत), कांग्रेस के 327 उम्मीदवारों में से 143 (44 प्रतिशत), बीएसपी के 487 उम्मीदवारों में से 63 (13 प्रतिशत), सीपीआई (एम) के 33 उम्मीदवारों में से (63 प्रतिशत) और 3,903 निर्दलीय उम्मीदवारों में से 550 (14 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

महिला उम्मीदवार कितनी

महिला उम्मीदवारों को लेकर भी संस्था ने विश्लेषण किया है। उसके मुताबिक इस बार चुनावों में 797 महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं। जो कुल उम्मीदवारों का करीब 10 प्रतिशत बनता है। जबकि 2019 के चुनावों में महिला उम्मीदवारों की संख्या 640 थी। पिछले चुनावों में कुल उम्मीदवारों का यह आठ प्रतिशत होता था। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 51 फीसदी उम्मदीवार ग्रैजुट्स हैं या उन्होंने उससे ऊपर की पढ़ाई की है। वहीं अगर इस बार करोड़पति उम्मीदवारों की बात की जाए तो इस बार 8,337 में से 2,572 प्रत्याशी करोड़पति हैं। सबसे ज्यादा करोड़पति उम्मीदवार बीजेपी (403) के हैं।

कांग्रेस के 292 उम्मीदवारों की संपत्ति एक करोड़ या उससे अधिक है। बीएसपी के 163 उम्मीदवारों ने एक करोड़ या उससे अधिक की संपत्ति घोषित की है। सीपीआई (एम) के 27 करोड़पति उम्मीदवार मैदान में हैं। 2024 के चुनावों में करोड़पति उम्मीदवारों के पास औसतन 6.23 करोड़ की संपत्ति है। वहीं पिछले चुनावों में ऐसे उम्मीदवारों के पास औसतन 4.14 करोड़ की संपत्ति थी।

क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग लड़ सकते हैं चुनाव?

कानून के मुताबिक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नागरिकों को तब तक चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा सकता जब तक कि उन्हें दोषी ना ठहराया जाए। अगर वे दोषी ठहराए भी जाते हैं तो उन पर चुनाव लड़ने पर छह साल की रोक रहती है। छह साल बाद वह राजनीति में आ सकता है और दोबारा से चुनाव लड़ सकता है।

मौजूदा कानून के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति को दोषी ठहराया जाता है और उसे कम से कम दो साल की जेल की सजा सुनाई जाती है, तो वह रिहाई की तारीख से अगले छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेगा।

इसी तरह से जनप्रतिनिधि कानून की धारा आठ के मुताबिक अगर किसी सांसद या विधायक को किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराया जाता है, तो रिहाई के बाद से लेकर अगले छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेगा। जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8 (3) के मुताबिक अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या उससे अधिक की सजा होती है तो तत्काल उसकी सदस्यता चली जाती है।

मतगणना की व्यवस्थाओं का कर लें समुचित प्रबंधन-मुख्य निर्वाचन आयुक्त

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना की तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक की। बैठक में मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन सहित प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि मतगणना से जुड़ी सभी तैयारियां व जरूरी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन कर लें। मतगणना स्थल की सुरक्षा, मतगणना परिसर में प्रवेश, गर्मी को देखते हुए एम्बुलेंस, दवाईयां, फायर ब्रिगेड, मतगणना सूचनाओं का चक्रवार आदान-प्रदान, स्ट्रांग रूम से मतगणना केन्द्र तक ईवीएम को लाने, ले-जाने, पोस्टल बैलेट की गणना आदि सभी व्यवस्थाएँ अपनी निगरानी में कराएं। सभी मतगणना कर्मियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स को अच्छी तरह से प्रशिक्षण दें, ताकि मतों की गणना में त्रुटि की कोई गुंजाईश न रहे। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने राज्य के सभी जिलों में चार जून को होने वाली मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों के बारे में भारत निर्वाचन आयोग को अवगत कराया। वीसी में भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार व डॉ. एस.एस. संधू भी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने कहा कि मतगणना केन्द्र में प्रवेश की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मतगणना केन्द्र में केवल प्रवेश हेतु प्राधिकार पत्रधारी अधिकारियों, कर्मचारियों, मतगणना एजेंट, पत्रकारों व सुरक्षा कर्मियों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी। मतगणना केन्द्र परिसर के बाहर भीड़ के प्रबंधन के लिये भी आवश्यक व्यवस्थाएँ करें। उन्होंने कहा कि परिसर के बाहर व अंदर पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं और हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी मतगणना के संबंध में सभी नियमों व दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें और तदनुसार बिना किसी बाधा के मतगणना सम्पन्न कराएं। उन्होंने शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये मध्यप्रदेश के सभी 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बड़ा टीम वर्क था, जो बिना किसी बाधा के बखूबी पूरा किया गया।

वीसी में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल, पुलिस महानिरीक्षक तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी अंशुमन सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे, तरुण राठी एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद शुक्ला उपस्थित थे।

केजरीवाल ने अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने की सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के समक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक याचिका दायर कर अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए अपनी अंतरिम जमानत अवधि एक जून से सात दिन आगे बढ़ाने की गुहार लगाई है। दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी श्री केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है। उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा, वर्तमान में उनका इलाज कर रहे मैक्स अस्पताल के संबंधित डॉक्टरों ने कुछ जांच करने की सलाह दी है, जिसके लिए सात दिनों का समय चाहिए।याचिका में कहा गया है कि उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य जांच करने की सलाह दी गई है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 10 मई को केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियानों में भाग लेने के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी और दो जून को उन्हें जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति -2021-22 (जो बाद में रद्द कर दी गई थी) में कथित घोटाले में 21 मार्च 24 को गिरफ्तार किया गया था।

वाराणसी में मोदी की लड़ाई हार-जीत की नहीं है

वाराणसी

लोकसभा सीट में कुल पांच विधानसभाएं आती हैं-रोहनिया, वाराणसी उत्तर, वाराणसी दक्षिण, वाराणसी कैंट और सेवापुरी। 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से सभी सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती थीं। बनारस के असि घाट पर एक तख्त पर बैठी फूल-माला बेच रहीं 60 वर्षीय पूनम देवी कहती हैं कि उनकी दुकान मोदी जी के पीएम बनने के बाद से काफी अच्छी चल रही है। वह कहती हैं, बिक्री तो पहले भी होती थी, लेकिन पहले इतने लोग यहां नहाने-पूजा करने नहीं आते थे। मोदी जी के आने के बाद लोगों का आना-जाना बढ़ा है, इसलिए दुकानदारी भी बढ़िया चल रही है।

पूनम देवी बनारस की ही रहने वाली हैं और सालों से यही काम करती आ रही हैं। उनके घर के दूसरे लोग भी जगह-जगह फूल-माला ही बेचते हैं। महीने में सरकारी योजना का राशन भी मिल रहा है, अन्य सुविधाएं भी मिल रही हैं और सभी लोग खुश हैं। हां, घर में आज भी 10वीं से ज्यादा कोई पढ़ा नहीं है और उनके मुताबिक, जब सब ठीक ही चल रहा है तो बहुत ज्यादा पढ़ने-लिखने की जरूरत भी क्या है।

लेकिन उसी असि घाट पर करीब 200 मीटर दूर सीढ़ियों पर जब तूफानी यादव से मुलाकात हुई, तो पीएम मोदी के बारे में उनके विचार कुछ अलग ही थे। तूफानी यादव गाजीपुर के रहने वाले हैं। वह कहते हैं, मोदी का जलवा तो है, बनारस में फिर जीतेंगे, यहां काम भी अच्छा कर रहे हैं, लेकिन देश को बेचे दे रहे हैं। जितनी चीजें हैं, रेलवे, एयरपोर्ट सब कुछ बेच दे रहे हैं। देश को गुलाम बना दे रहे हैं।

इन दो लोगों की बातों से न सिर्फ बनारस की बल्कि देश भर की, खासकर उत्तर भारत की राजनीति की बानगी मिल जाती है। मोदी और उनकी सरकार के विरोधियों और समर्थकों के तर्क कुछ ऐसे ही हैं जैसे कि पूनम देवी और तूफानी यादव के. पीएम मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वाराणसी में आखिरी चरण में एक जून को मतदान है। उनका मुकाबला इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय और बहुजन समाज पार्टी के अतहर जमाल लारी से है।

वाराणसी लोकसभा सीट में कुल पांच विधानसभाएं आती हैं-रोहनिया, वाराणसी उत्तर, वाराणसी दक्षिण, वाराणसी कैंट और सेवापुरी। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से सभी सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती थीं। वाराणसी लोकसभा सीट वैसे भी 1991 के बाद से बीजेपी का गढ़ कही जाती रही है, जहां 2004 को छोड़कर सभी चुनाव बीजेपी उम्मीदवारों ने ही जीते हैं। लेकिन 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के यहां से चुनाव लड़ने के बाद जीत का अंतर तो लगातार बढ़ा ही है, सीट का भी महत्व काफी बढ़ गया है।

पीएम मोदी के नामांकन में जिस तरह से बीजेपी और सहयोगी दलों के दिग्गजों का जमावड़ा हुआ, उसके बाद प्रचार में भी तमाम वीआईपी यहां आते रहे और अभी भी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत कई दिग्गज लगातार यहीं बने हुए हैं। पीएम के रोड शो में भी दिग्गजों का जमावड़ा रहा। वहीं, कांग्रेस नेता अजय राय के समर्थन में भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं ने कई सभाएं और रैलियां कीं। इसके अलावा कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी की नेता डिंपल यादव ने रोड शो भी किया।

बीजेपी नेताओं की मानें, तो पीएम मोदी की लड़ाई यहां जीतने और हारने की नहीं बल्कि जीत के अंतर को बढ़ाने के लिए है। लेकिन कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बीजेपी के लोग गलतफहमी में हैं, इस बार वाराणसी की जनता पीएम मोदी को आईना दिखाकर रहेगी। पीएम मोदी यहां से जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी कर रहे हैं, तो अजय राय हार की हैट्रिक लगा चुके हैं। दो बार कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर और उससे पहले 2009 में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर। 2014 और 2019 के चुनाव में अजय राय तीसरे नंबर पर थे। बावजूद इसके उन्हें अपनी जीत का पूरा भरोसा है।

इस बार समाजवादी पार्टी का भी उन्हें समर्थन है। अजय राय कहते हैं, गुजराती लोगों ने यहां बनारस में आकर बनारसियों को ठगने का काम किया है। किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर खरीदकर उन्हें बेघर किया है। रोहनिया और सेवापुरी में एक भी फैक्ट्री नहीं रह गई है। गुजराती यहां से सब कुछ उठा ले गए। यहां के सारे ठेके गुजरातियों को मिल रहे हैं। अब समय आ गया है कि इन्हें वोट के जरिए जवाब दिया जाए और जनता जवाब देने के लिए तैयार बैठी है।

अजय राय लोकसभा के चुनाव में हार की हैट्रिक लगाने के बावजूद भले ही चौथी बार मैदान में डटे हैं, लेकिन इससे पहले वह वाराणसी की अलग-अलग सीटों और अलग-अलग पार्टियों से पांच बार विधायक रहे हैं। मौजूदा समय में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं और स्थानीय स्तर पर जनाधार वाले नेता माने जाते हैं।

वाराणसी में बाजार की एक तस्वीर। ऊपर लगे बोर्ड पर हरिश्चंद्र घाट और लंका की ओर का रास्ता मार्क किया गया है। वाराणसी में बाजार की एक तस्वीर। ऊपर लगे बोर्ड पर हरिश्चंद्र घाट और लंका की ओर का रास्ता मार्क किया गया है।

बनारस में करीब तीन लाख बुनकर भी रहते हैं। बुनकरों की एक बड़ी आबादी यहां मदनपुरा इलाके में रहती है। मदनपुरा के रहने वाले मोहम्मद एजाज एक पावर लूम चलाते हैं। वह बताते हैं, पीएम मोदी की वजह से बनारस में जो कुछ भी विकास हुआ है, वो सड़कों और निर्माण कार्यों में ही दिखाई पड़ता है जिसकी वजह से यहां पर्यटन बढ़ा है। लेकिन कारखाने नहीं खुले, जो थे भी वो भी बंद हैं। रोजगार के क्षेत्र में कुछ ऐसा नहीं हुआ जिससे लोगों को फायदा हुआ हो। ऊपर-ऊपर तो सब चमाचम दिखता है, लेकिन अंदर-अंदर सब खोखला ही दिखता है। व्यापारी परेशान हैं। बुनकरों की स्थिति में भी कोई सुधार नहीं हुआ है।

यही नहीं, युवाओं में भी सरकार को लेकर नाराजगी है। चाहे वो केंद्र की सरकार हो, चाहे राज्य की सरकार हो। चूंकि दोनों ही जगह बीजेपी की सरकारें हैं इसलिए नाराजगी का टार्गेट भी बीजेपी ही है। बीएचयू में इतिहास की छात्रा नेहा दुबे कहती हैं, रोजगार और महंगाई के फ्रंट पर यह सरकार बिल्कुल फेल साबित हुई है। चुनावी समय में भी ये ऐसी बात कर रहे हैं जिनका आम आदमी, खासकर युवाओं से कोई लेना-देना नहीं है। हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं। नियुक्तियां पहले तो निकल ही नहीं रही हैं, जब निकल भी रही हैं तो पेपर लीक हो जा रहे हैं, परीक्षाएं मुकदमेबाजी में फंस रही हैं। कुल मिलाकर नौकरियां नहीं मिल रही है। ऐसा लगता है कि सरकारी की नीयत ही नहीं है कि नौकरियां दी जाएं।

वाराणसी में प्रधानमंत्री के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में विश्वनाथ कॉरिडोर का नाम लिया जाता है। हालांकि उसके बनने के दौरान स्थानीय लोगों ने काफी विरोध किया था, लेकिन मुआवजे और प्राशासनिक भय ने धीरे-धीरे उस प्रतिरोध को लगभग पूरी तरह शांत कर दिया। कॉरिडोर बनने से तमाम लोग जहां बहुत खुश हैं,

वहीं कुछ लोग इसे काशी की संस्कृति को नष्ट करने जैसा मानते हैं। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप राय कहते हैं, काशी विश्वनाथ मंदिर के आस-पास कई मोहल्लों को उजाड़कर कॉरिडोर बनाया गया। मंदिर 4,000 वर्ग मीटर में पहले भी था और आज भी उतने में ही है। बाकी जो बना है, वो व्यापार के लिए बनाया गया है। यहां की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट किया गया है। बेनीपुर गांव की रहने वाली जीतेश्वरी देवी कहती हैं कि इस बार वोट संविधान को बचाने के लिए हो रहा है। उनके साथ की दूसरी महिलाओं को भी यही आशंका है।

वहीं, बेनीपुर गांव की रहने वाली जीतेश्वरी देवी कहती हैं कि इस बार वोट संविधान को बचाने के लिए हो रहा है। खेत में मजदूरी करने वाली जीतेश्वरी यह पूछने पर कि संविधान को क्या खतरा है, कहती हैं, सब कह रहे हैं कि अबकी बार भाजपा वाले आ जाएंगे, तो संविधान खत्म कर देंगे। मतलब, गरीबों और मजदूरों की फिर से वही हालत हो जाएगी जो पहले हुआ करती थी। शोषण भी होगा और लोग कहीं शिकायत भी नहीं कर पाएंगे। दलितों को नौकरियां भी मिलनी बंद हो जाएंगी। जीतेश्वरी देवी की तरह उनके साथ की दूसरी महिलाओं को भी यही आशंका है। ये महिलाएं संविधान के बारे में ज्यादा तो नहीं जानतीं, लेकिन इनके घरों के पढ़े-लिखे बच्चों ने इन्हें यही बताया है और उनकी बातों पर इन्हें पूरा भरोसा है।

वाराणसी लोकसभा सीट की बात करें, तो यहां सबसे ज्यादा लगभग दो लाख कुर्मी मतदाता हैं और इनका ज्यादा प्रभाव रोहनिया और सेवापुरी विधानसभा में है। इसके बाद करीब दो लाख वैश्य मतदाता हैं। ब्राह्मण, भूमिहार और यादव मतदाताओं की संख्या भी यहां अच्छी-खासी है। यहां करीब 25 फीसद मुस्लिम मतदाता भी हैं। हालांकि, पीएम मोदी की उम्मीदवारी के चलते जातीय समीकरणों का बहुत असर नहीं रहता क्योंकि लगभग हर वर्ग का वोट पिछले दो बार से उन्हें मिल रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पीएम मोदी का इस सीट से हैट्रिक लगाना तो तय है, देखना यह है कि जीत का अंतर पिछले चुनावों के मुकाबले कम होता है या ज्यादा रहता है। विपक्षी उम्मीदवार यानी अजय राय की उपलब्धि इसी से तय होगी।

4 जून को होगी मतगणना

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभा कक्ष में सहायक निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र सिंह कवचे मौजूद थे। यह प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर डॉ वी.के. सुखवानी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जानकारी दी गई की लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतगणना 4 जून मंगलवार को प्रातः 8 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय में की जाएगी । इसमें उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत उज्जैन में आने वाले समस्त विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं?। मतगणना विभिन्न चक्रों में की जाएगी। सबसे अधिक चक्र (कुल 21) उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के होंगे।

प्रशिक्षण के दौरान आरपी एक्ट-1951 के लीगल प्रोविजन तथा कंडक्ट का इलेक्शन रूल्स- 1961 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि कंडक्ट आफ इलेक्शन रूल 1961 के नियम 51 के अंतर्गत मतदान तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व अभ्यार्थियों व उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं को मतगणना की दिनांक, समय और स्थान संबंधी लिखित सूचना दी जाए और पावती ली जाए। साथ ही सूचना में गणना हेतु लगने वाली टेबलों की संख्या से भी अवगत कराया जाए।

जानकारी दी गई की मतगणना परिसर में त्रि-चक्रीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

मतगणना दिवस पर मीडिया पर्सन और कैमरे के संबंध में प्रशिक्षण में बताया गया कि गणना हाल में अधिकृत कैमरा या वीडियो कैमरा से भिन्न कैमरों के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मीडिया पर्सन को हाथ कैमरा (बिना स्टैंड का) गणना हाल में ले जाने की अनुमति होगी। ऑडियो विजुअल कवरेज के दौरान कैमरा किसी मशीन पर फोकस नहीं किया जाएगा। मीडिया पर्सन को मेनेजेबल बैचेस में एस्कॉर्ट ऑफिसर द्वारा गणना हॉल का भ्रमण करवाया जाएगा। आरओ गणना हाल में वह स्थान चिन्हित करेंगे जहां तक मीडिया कर्मी भ्रमण कर सकेंगे।

मतगणना स्टाफ की नियुक्ति भी संबंधित आरओ द्वारा की जाएगी। गणना स्टाफ की आवश्यकता का आकलन गणन कक्षों, पोस्टल बैलट की संख्या तथा गणना टेबलों के आधार पर किया जाएगा। ईटीपीबीएस प्रि-काउंटिंग स्टाफ का रेंडमाइजेशन नहीं किया जाएगा। पोस्टल बैलट सहित प्रत्येक मतगणना टेबल पर माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे।

प्रशिक्षण में अभ्यर्थी के गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी गई कि गणना अभिकर्ता की नियुक्ति संबंधी पात्रता हेतु कानून कोई सलाह नहीं देता परंतु अभ्यर्थी को सलाह दी जाती है कि वह 18 वर्ष से ऊपर की आयु के व्यक्ति को नियुक्त करें ताकि वह उसका ठीक से प्रतिनिधित्व कर सके।

बताया गया की मतगणना दिवस पर गणना हाल में टेबल क्रमवार लगी होगी। इसमें गणना अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था प्राथमिकता के क्रम में होगी। इसके अनुसार राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दल के अभ्यर्थी के अभिकर्ता, राज्य के मान्यता प्राप्त दल के अभ्यर्थी के अभिकर्ता, अन्य राज्य के मान्यता प्राप्त दल जिसे उस क्षेत्र में दल के आरक्षित प्रतीक पर निर्वाचन लड़ने की छूट दी है के अभ्यर्थी के अभिकर्ता, पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों के अभ्यर्थी के अभिकर्ता व निर्दलीय उम्मीदवारों के अभिकर्ता बैठ सकेंगे।

मतगणना प्रारंभ होने के पूर्व आरओ गणना हाल में उपस्थित सभी व्यक्तियों को आरपी एक्ट 1951 की धारा 128 ÷मतों की गोपनीयता÷ का प्रावधान पढ़कर सुनाएंगे तथा सभी से उसके अनुपालन की अपेक्षा करेंगे। कोई व्यक्ति जो इस धारा का उल्लंघन करेगा वह तीन माह की सजा या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना की प्रत्येक अवस्था/चरण की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया

उज्जैन। ओह्म साईं फरिश्ते फाउंडेशन के तत्वाधान में सामुदायिक पुलिस भवन में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उज्जैन शहर एवं देहात के करीब 700 अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजनों का परीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक भोपाल के निर्देशन में पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन उज्जैन संतोष कुमार सिंह, उप पुलिस महानिरीक्षक नवनीत भासीन, पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सामुदायिक भवन पुलिस लाइन उज्जैन में पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों को शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने एवं उनके स्वस्थ व फ़िटनेस के साथ ही उनके परिजनों के स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखते हुए एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण ओह्म साईं फरिश्ते फाउंडेशन के सौजन्य से शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 45 वर्ष से अधिक आयु के 570, 45 वर्ष से कम आयु के 100 पुलिस कर्मियों एवं परिजनों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया गया।

डॉ. पारितोष राजपूत हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. स्वप्निल पेंढारकर पेट लीवर विशेषज्ञ, डॉक्टर एस.के. शर्मा (पुलिस चिकित्सा अधिकारी पुलिस लाइन उज्जैन), डॉ पुष्पेन्द्र जैन जनरल सर्जन, डॉ विशाल पाटीदार छातीदमा, टी.व्ही. रोग विशेषज्ञ, डॉ गार्गी मूल्ये कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉ शिल्पा कोठारी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ वरुण कोठारी त्वचा/कॉस्मेटिक विशेषज्ञ, डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी आयुर्वेद पंचकर्म विशेषज्ञ, डॉ. जितेंद्र शर्मा मेडिकल ऑफिसर जिला चिकित्सालय उज्जैन, डॉक्टर उमेश राय मेडिकल ऑफिसर रेलवे चिकित्सालय उज्जैन, डॉक्टर देवेश पाल फिजियोथेरेपिस्ट, डॉक्टर प्रियंका पाल, डॉक्टर सरफराज खान एवं डॉ. जितेंद्र रायकवार संस्थापक अध्यक्ष साईं फरिश्ते फाउंडेशन की उपस्थिति में अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों, एवं उनके परिजनों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को स्वास्थ के प्रति जागरूक हेतु प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करने को प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा ओम साईं फरिश्ते फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ जीतेंद्र रायकवार को उक्त शिविर आयोजन के लिए विशेष रूप से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नाले-नालियों के अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाएं

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समयसीमा की बैठक में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर एमपीईबी के हेल्पलाइन नंबर 1912 और जोनवाइस जारी हेल्पलाइन नंबर पर स्वयं कॉल कर शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता परखी। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण हो यह सुनिश्चित किया जाएं।

उन्होंने नगरनिगम को निर्देश दिए कि घाटों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं। घाटों का सौंदर्यीकरण कराएं। जिसके लिए एक डेडीकेटेड टीम लगाई जाएं। घाटों की सफाई, काई को हटाने , व्यवस्थित लाइटिंग लगाने की कार्यवाही की जाएं। पेंटिंग के इच्छुक बच्चों से घाटों पर पेंटिंग कराई जाएं। गंगा दशमी की तैयारियां भी शुरू करें। उन्होंने पेयजल व्यवस्था के भी सुचारू संचालन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नालों के साफ सफाई कार्य की जानकारी ली। जिसमें नगर निगम द्वारा बताया गया कि शहर के 118 नालों में से 102 की सफाई की जा चूंकि हैं। शेष 16 नालों की सफाई की जा रही हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शहर के नालों के उपर के अतिक्रमण को चिन्हित कर उन्हें शीघ्र हटवाएं। जर्जर सार्वजनिक भवन यथा स्कूल, शेड आदि को भी डिस्मेंटल कराएं। सवारी मार्ग पर पड़ने वाले जर्जर भवनों को भी हटाएं।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि अस्पताल की लिफ्ट बंद हैं। विभिन्न वार्डो और कक्षों में लगे ऐसी भी नहीं चल रहें हैं। यह समस्या काफी दिनों से बनी हुई हैं। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने जिला अस्पताल के लिफ्ट प्रबंधन की एजेंसी को टर्मिनेट करने और नई एजेंसी को काम देने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में एसी संचालन के लिए अधिकृत एजेंसी को भी लापरवाही पर पब्लिक न्यूसेंस का नोटिस जारी करने के निर्देश एसडीएम नगर को दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने ई रिक्शा के संचालन के संबंध में भी जानकारी ली। जिसमें आरटीओ द्वारा बताया गया की आवंटित 22 रूट्स पर 1 जून से ई रिक्शा वाहनों का संचालन किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि ई रिक्शा वाहनों का प्रारम्भ सुनियोजित ढंग से किया जाए। जिसमें ई रिक्शा चालकों को वाहन के पीछे चस्पा करने के लिए आवंटित रूट के स्टिकर्स, हेल्पलाइन नंबर आवश्यक दिशा निर्देशों की प्रचार सामग्री दी जाए। नई व्यवस्था के प्रारंभ से पूर्व ई रिक्शा चालकों की ब्रीफिंग करें। प्रत्येक जोन की मॉनिटरिंग के लिए ट्रैफिक पुलिस और कार्यपालिक मेजिस्ट्रेट्स की ड्यूटी भी लगाई जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि 5 जून से 16 जून तक जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए बावड़ियों तालाबों के गहरीकरण और साफ सफाई का अभियान चलाएं। साथ ही वन विभाग के माध्यम से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण का भी कराएं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को उक्त कार्यों के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने 4 जून को इंजीनियरिंग कॉलेज में होने वाली मतगणना की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मतगणना स्थल पर आवश्यक सामग्री, ग्रीष्म ऋतु की दृष्टिगत पेयजल व्यवस्था, पास, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा ,वीडियोग्राफी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री सिंह ने केडी गेट से इमली चौराहे के चौड़ीकरण कार्य को सामंजस्य और समन्वय तथा बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराने के लिए प्रशासन, पुलिस और नगरनिगम के अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मृणाल मीना,निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे, अपर कलेक्टर श्री अनुकूल जैन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित रहें।

ध्वस्त हो रहा है इंडिया समूह-भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडिया समूह के आपसी द्वंद और उनकी वोट बैंक की राजनीति पर प्रहार करते हुए कहा कि चुनाव के अंतिम चरण आते-आते पंजाब से लेकर पश्चिम बंगाल तक यह 'घमंडिया गठबंधन' पूरी तरह से ध्वस्त होता दिख रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। डॉ. त्रिवेदी ने इंडिया समूह के आपसी द्वंद और उनकी वोट बैंक की राजनीति पर हमला बोला और कहा कि इंडिया समूह के नेता अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए संविधान बदलने की तैयारी कर रहे हैं।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 का जब आगाज हुआ, तो एक गठबंधन तिरोहित हो गया, जिसका नाम था संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) है। अब जिन जिन राज्यों के लोकसभा चुनाव अपने अंजाम पर पहुँच रहे हैं, उसके साथ साथ इंडिया समूह भी अपनी अंतिम तिलांजलि को ओर बढ़ रहा है। पंजाब में इंडिया समूह एक-दूसरे से लड़ रहे हैं, हिमाचल प्रदेश में इंडिया समूह है ही नहीं, यहाँ भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है, उत्तर प्रदेश में मुकाबला सिर्फ भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच है, क्योंकि कांग्रेस वहां किसी भी निर्णायक स्थिति में नहीं है। बिहार में इंडिया समूह के जो मुख्य सूत्रधार थे, वे राष्ट्र की मुख्यधारा में पहले से शामिल हो गए थे, जबकि पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस और ममता बनर्जी एक दूसरे के खिलाफ कमर कसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि चुनाव के अंतिम चरण आते-आते पंजाब से बंगाल तक इंडिया समूह पूरी तरह से ध्वस्त होता दिखाई दे रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने हाल के एक वीडियो का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार में राहुल गांधी, मीसा भारती और तेजस्वी यादव मिलकर बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनावी परिणाम का अनुमान लगा रहे थे। ये तीनों लोग जो एक समय 'डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ लिगेसी' की चर्चा करते थे, हकीकत यही है कि इन तीनों ने अपनी पार्टी का डिस्ट्रक्शन ऑफ लिगेसी ही किया है।

नए संसद भवन की पहली वर्षगांठ, भविष्य को आकार देने में व्यापक महत्व-बिरला

नई दिल्ली। देश के भव्य नए संसद भवन के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ मंगलवार को बड़े धूमधाम से मनायी जा रही है। नए संसद भवन की गौरवशाली यात्रा पर अपना विचार व्यक्त करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मंगलवार को जब नए संसद भवन की पहली वर्षगांठ मनाई जा रही है, देश के भविष्य को आकार देने में इसके महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह न केवल एक वास्तुशिल्पीय चमत्कार के रूप में बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता के प्रतीक के रूप में भी जाना जा रहा है क्योंकि यह एक ऐसा स्थान हैं जहां विचारों का आदान प्रदान किया जाता है, कानून बनाए जाते हैं और लाखों लोगों की आवाजें सुनी जाती है। श्री बिरला ने याद किया कि जी20 देशों के अध्यक्षों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने नई इमारत का दौरा किया और इसके आकर्षक डिजाइन और सुविधाओं की सराहना की।

श्री बिरला ने आगे कहा कि केवल दो वर्ष सात महीने के रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ नया भवन, आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक और 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की इच्छाओं और आकांक्षाओं को दर्शाता

है। गत 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया यह भारत के जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण के रूप में खड़ा है। त्रिकोणीय आकार में डिज़ाइन की गई इस अत्याधुनिक इमारत में लोकसभा (निचला सदन) और राज्यसभा (उच्च सदन) दोनों हैं। उन्होंने कहा कि इसने ऐतिहासिक पुराने संसद भवन का स्थान ले लिया है, जिसका नाम अब संविधान सदन रखा गया है, जिसने लगभग एक शताब्दी तक भारत के शीर्ष विधायी निकाय के रूप में कार्य किया था।

नए भवन की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने याद दिलाया कि नए भवन की आवश्यकता पुराने ढांचे के साथ स्थिरता संबंधी चिंताओं और संसद की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने में इसकी अपर्याप्तता के कारण उत्पन्न हुई। मूल भवन, हालांकि ऐतिहासिक है लेकिन वहां संसद सदस्यों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त जगह का अभाव था। कई संसद सदस्यों ने भी नए भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नई इमारत की मांग की थी। 64,500 वर्गमीटर के क्षेत्र को कवर करते हुए, नए भवन में लगभग 1,272 सदस्य बैठ सकते हैं, जिसमें लोकसभा में 888 सीटें और राज्यसभा में 384 सीटें शामिल हैं, जो पुरानी संरचना में लगभग 800 सीटों से एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

नए भवन के डिजाइन पर बोलते हुए, श्री बिरला ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इमारत का डिजाइन सामंजस्यपूर्ण रूप से परंपरा को आधुनिकता के साथ जोड़ता है, जो भविष्य की प्रगति को अपनाने के साथ-साथ भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करता है। नई इमारत में अत्याधुनिक हरित सुविधाओं सहित इसे भूकंपरोधी (जोन 5) बनाया गया है।

कमल का बटन दबाकर रामलला का अपमान करने वालों को जवाब दें-विष्णुदत्त शर्मा

दुमका। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने झारखंड के दुमका लोकसभा क्षेत्र के रानीश्वर मण्डल के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का वातावरण बन चुका है, लेकिन कभी आपने सोचा है कि मोदी को फिर से प्रधानमंत्री क्यों बनाना चाहिए? क्योंकि वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जो काम किए हैं, उन्हें जनता ने देखा है। उन कामों के आधार पर ही जनता को यह समझ चुकी है कि देश की सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण, सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाओं और देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है।

विष्णुदत्त शर्मा पश्चिम बंगाल सीमा से लगे झारखण्ड के दुमका लोकसभा क्षेत्र के प्रवास पर हैं। शर्मा यहां पार्टी का बूथ मैनेजमेंट मजबूत करने का काम कर रहे हैं। रविवार को शर्मा से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने मुलाकात कर चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने दुमका, गोड्डा और राजमल लोकसभा सीट को लेकर भी प्रबंधन बैठक को संबोधित किया।

मोदी जी ने किया हर क्षेत्र में विकास

शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद में काम करने के दौरान झारखंड के संथाल क्षेत्र में लगातार मेरा आना-जाना हुआ है। 2014 के चुनाव के समय भी यहां काम किया है। यहां मोटरसाइकिलों से भी घूमे हैं। हम सभी ने देखा है कि उस समय दुमका और देवघर जैसे शहरों की क्या स्थिति थी? लेकिन आज हर तरफ सुंदर सड़कें दिखाई देती हैं। देवघर में एम्स खुल गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हर हिस्से में विकास किया है और सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2047 देश विकसित भारत बनाना चाहते हैं, जिसके लिए उनका फिर प्रधानमंत्री बनना जरूरी है।

मोदी के आने के बाद सुरक्षित हुआ भारत

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश की क्या स्थिति थी, सब जानते हैं। मुंबई में विस्फोट हो रहे थे, बनारस में, देश के रेलवे स्टेशनों पर, बाजारों में आतंकी विस्फोट करते रहते थे। नक्सलवादी गतिविधियां चरम पर थीं। मध्यप्रदेश के बालाघाट, छत्तीसगढ़ और झारखंड में नक्सलवादी सरेआम हत्याएं कर देते थे। दुश्मन देशों के सैनिक और आतंकी हमारे सैनिकों के सिर काटकर फुटबाल खेला करते थे। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया कि सेनाओं को अधिकार संपन्न और सक्षम बनाएंगे। अब हमारे सैनिकों पर हमला होता है, तो हमारी सेनाएं आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारती हैं। बाह्य सुरक्षा के साथ-साथ मोदी की सरकार ने देश की आंतरिक सुरक्षा को भी चाकचौबंद किया है।

अब एक रुपया भेजते हैं, तो पूरे सौ पैसे खाते में आते हैं

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 के बाद भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं, तो सिर्फ 15 पैसे ही गरीब तक पहुंचते हैं, 85 पैसे दलाल और बिचौलिये खा जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले जनधन खाते खोले। कांग्रेस के लोग इसका मजाक उड़ाते थे। लेकिन आज किसान सम्मान निधि हो या अन्य योजनाओं का पैसा, अगर एक रुपया भेजा है, तो डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर योजना के अंतर्गत पूरे 100 पैसे खाते में आते हैं।

देश में आए बड़े बदलाव

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़े बदलाव आ रहे हैं। कश्मीर से धारा 370 हटा दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। करोड़ों गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्के घर मिल चुके हैं और करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन मिल रहा है। आयुष्मान योजना में करोड़ों लोगों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त उपचार मिल रहा है।

भ्रम फैला रही कांग्रेस

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों के लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि भाजपा सत्ता में आई, तो संविधान बदल देगी। लेकिन सच्चाई यह है कि संविधान में सबसे ज्यादा संशोधन कांग्रेस की सरकारों ने किए। कांग्रेस ने कितनी ही बार धारा 356 के अंतर्गत चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की ही सरकार ने देश में प्रजातंत्र का गला घोंटते हुए आपातकाल थोपा था। लेकिन कांग्रेस के लोग आज भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगा रहे हैं।

कमल का बटन दबाकर रामलला का अपमान करने वालों को जवाब दें प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 500 सालों के इंतजार के बाद जब 22 जनवरी को भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तो पूरे देश में आनंद छा गया। लेकिन वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बहिष्कार किया, जो रामलला का अपमान है। शर्मा ने कहा कि गरीबों को लूटने वाली, देश को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेलने वाली और रामलला का अपमान करने वाली इन ताकतों को मतदान वाले दिन कमल का बटन दबाकर उखाड़ फेंकना है।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

उज्जैन। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज पहुँचकर लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत आगामी 4 जून को उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र अन्तर्गत आने वाली सातों विधानसभाओं की मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने मतगणना के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना टेबल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों एवं अभिकर्ताओं के मतगणना कक्ष में आगमन-निर्गमन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही मतगणना स्थल परिसर में निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों के लिए स्ट्रॉग रूम का सीसीटीवी लाईव डिस्प्ले तथा कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनीटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि लोकसभा चुनाव की मतगणना 4 जून 2024 को सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। उन्होंने मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए मतगणना कक्षों में आवश्यक व्यवस्था के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र कवचे ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयंत सिंह राठौर, एडीएम अनुकूल जैन, सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केडी गेट से इमली तिराहे के चौड़ीकरण का कार्य किया है, सभी बधाई के पात्र है, अब हमारी चुनौती 15 जून तक समस्त कार्यो को पूर्ण करना है-आशीषसिंह

उज्जैन। उज्जैन नगर पालिक निगम के अमले ने पूर्ण समर्पण के साथ संयम बरतते हुए के डी गेट से इमली तिराहे के चौड़ीकरण का कार्य किया है जिसके लिए सभी बधाई के पात्र है अब हमारी चुनौती 15 जून तक शेष रहे समस्त कार्यो को पूर्ण करना है।

यह बात नगर निगम आयुक्त ने सोमवार की शाम टी एल बैठक में कही आपने कहा कि अब तीव्र गति के साथ विद्युत पोल लगाये जाने का कार्य चार्ट बनाकर किया जाये जिसकी प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन शाम को दी जाए, जिन स्थानों पर नल कनेक्शन करना है वे शीघ्र किये जाएं उसमे किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने शहर के छोटे बड़े 118 नालो की सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिन नालों पर से अतिक्रमण हटाना है उन्हें तत्काल हटाये जाएं, कलेक्टर द्वारा गठित जांच दल के लिए टीप रजिस्टर मे दर्ज करायी जाए, जिसकी प्रगति की रिपोर्ट प्रतिदिन शाम को वी.सी. के माध्यम से दी जाए। कलेक्टर महोदय ने जो नालो की सुची दी है उसका निरीक्षण करें यदि नालों पर शासकीय भवन है तो उसे तत्काल हटाया जाएं, शहर के जो जर्जर गिराउ भवन है उसके सम्बंध में त्वरित कार्यवाही की जाए, नाले के अतिकमण हटाने का नोटिस सात दिन के अंदर ही जारी किया जाए तथा नालों के अतिकमण की सुची फोटो के साथ प्रस्तुत की जाए।

फायर शेफ्टी के संबंध मे निगमायुक्त श्री पाठक ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप झोन स्तर पर सुची तैयार कर कार्यवाही की जाए, आदेश का पालन नही करने पर परिसर सील करने की कार्यवाही करें। इसी प्रकार बिना अनुमति तथा निर्धारित

डेसीबल से अधिक के ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करने वालों पर कार्यवाही की जाए, खुले मे मास मटन की बिक्री रोकी जाए।

जल संरचनाओ कि समीक्षा करते हुए श्री पाठक ने पुरूषोतम सागर के गहरीकरण के निर्देश दिये नगर निगम आयुक्त पाठक ने कहा कि 4 जून को आचार संहिता खत्म हो जायेगी ऐसे जिन कार्यो के रिटेंडर होना है उनके कार्यवाही पुर्ण कर ली जाए, जल प्रदाय की समीक्षा करते हुइ निगमायुक्त श्री पाठक ने सारे उपायुक्तो को सुबह जल प्रदाय के समय पेयजल टंकी के निरीक्षण करने के निर्देश दिये बैठक मे अपर आयुक्त आर एस मंडलोई समस्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त सहित समस्त अधिकारी उपस्थित थे।

15 जून से प्रत्येक नागरिक करें पौधा रोपण-महापौर

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उज्जैन वासियों से अपील की गई है की वे 15 जून से अपने घर तथा घर के आसपास रिक्त भूमि पर 1 पौधा अवश्य रोप तथा उज्जैन को ग्रीन शहर बनाने में अपना सहयोग करे। आपने अपनी अपील में नागरिकों से अनुरोध किया है की वे एक पौधा रोप और उसके बड़े होने तक उसकी देख रख करें। जिससे वर्तमान में शहर वासियों को जिस भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है उससे राहत मिल सके।

जिला स्तरीय एक दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता 2 जून को

उज्जैन। उज्जयिनी जिला शतरंज संघ द्वारा 2 जून रविवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय अंडर 17 रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। स्पर्धा पांच आयु वर्ग में खेली जाएगी। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार के साथ ही आकर्षक ट्राफी एवं मैडल से पुरस्कृत किया जाएगा। इस स्पर्धा में शामिल होने की अंतिम तिथि 1 जून रहेगी। उज्जयिनी जिला शतरंज के सचिव महावीर जैन ने बताया खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन अथवा नियमित शतरंज अभ्यास कक्ष भारतीय ज्ञानपीठ परिसर, माधव नगर रेलवे स्टेशन के सामने शाम 6 से 8 के मध्य करा सकते हैं। स्पर्धा 2 जून रविवार सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगी।

शहर को भिक्षा मुक्त करने हेतु समीक्षा

उज्जैन। केंद्र शासन के श्री अजय श्रीवास्तव (इकोनामिक एडवाइजर), श्री रमाशंकर पांडे(फेलो) राज्य शासन से संयुक्त संचालक श्रीमती विवेकिन पचौरी एवं आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा स्माईल योजना अंतर्गत समीक्षा बैठक आयोजित कर शहर को भिक्षुक मुक्त बनाए जाने हेतु चर्चा एवं दिशा निर्देश दिए गए। जिसमें भिक्षुकों को कौशल प्रशिक्षण, योग, इनडोर- आउटडोर एक्टिविटी, भौतिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से समृद्ध बनाए जाने हेतु कार्य किया जाएगा। बैठक अंतर्गत निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा निगम एवं अन्य विभागों से समन्वय स्थापित किए जाने हेतु आश्वासन दिया गया, जिससे कि भिक्षकों का सर्वांगीण विकास किया जा सके, बैठक में महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय विभाग, श्री महाकाल मंदिर प्रबंध समिति एवं निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वीर सावरकर जयंती पर होगा 'सावरकर वर्तमान राजनीति परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान

उज्जैन। स्वातंत्र्यवीर सावरकर की जयंती पर आज 28 मई मंगलवार को सुबह 7.30 बजे 2 तालाब, मुनि नगर तिराहा पर स्थित प्रतिमा पर महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

साथ ही 'सावरकर वर्तमान राजनीति परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान भी होगा।

कार्यक्रम संयोजक संजय दिवटे के अनुसार वक्ता के रूप में क्रांतिकारक लेखक अभय मराठे, सुहास वैद्य सोशल मिडिया प्रभारी, भाजपा अपने विचार रखेंगे।

इस मौके पर समस्त समाजजनों से पधारने का आग्रह अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव सुशील मुळे, सदाशिव नायगांवकर, जितेन्द्र आपटे, मिलिन्द पन्हाळकर, रविन्द्र मुळे, राजश्री जोशी, गौरव गड़करी, दीपक अवसरकर, संजय देवधर, हिमांशु कुलकर्णी, धनश्री काले ने की है।

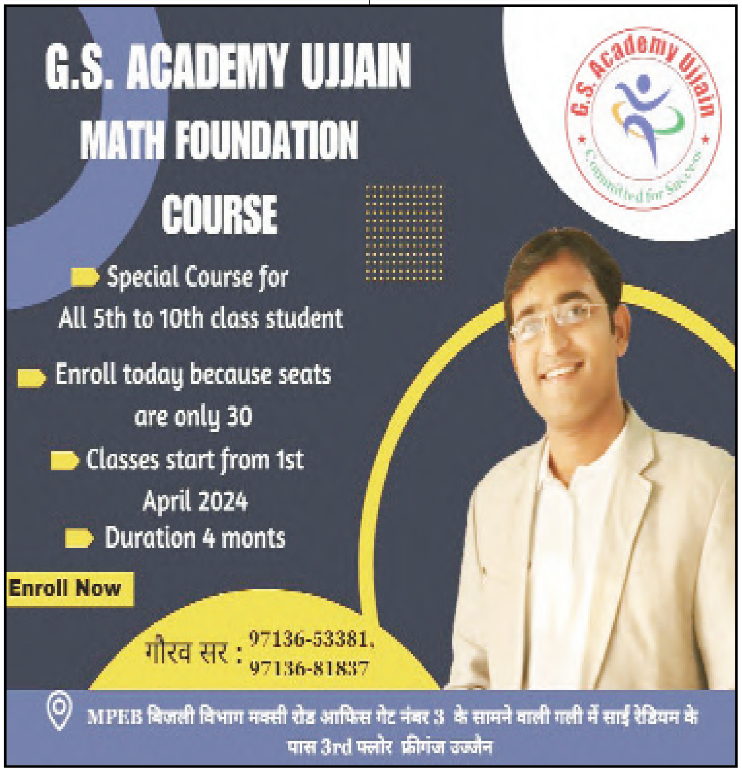

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।

● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)